सिद्धान्त
1

प्रशिक्षण के सिद्धांत

विश्वभर में प्रशिक्षण के पांच सिद्धांतों की पुस्तक

सिद्धांतः- दर्शन

सिद्धांतः- दर्शन

विश्व भर में प्रशिक्षण के पाँच सिद्धांतों की पुस्तक
सिद्धांत : दर्शन

प्रशिक्षण देने वाले के लिए टिप्पणीः-

यह सत्र अगुवो की सहायता करने तथा उनके यह समझाने के लिए तैयार किया गया है कि वे अकेले ही कार्य नही कर सकते: अगुवो को दूसरो की सहायता करने के लिए कड़ा परिश्रम करने की आवश्यकता है। परमेश्वर के दर्शन को समझकर किसी निर्दिस्ट स्थान के लिए उस दर्शन को मिलकर पूरा करने के लिए।

यह एक आसन और प्रभावकारी तरीका है कि एक दल के रूप में कार्य किया जाये और परमेश्वर के कार्य को पूरा करने के लिए आगे बढा जायें। आप इस सत्र में बहुत मजा ले सकते है। जब आप खेल खेलते है। तो आगे बढे और सिखने वालो के साथ इस पारस्परिक समय में उत्साह बढ़ाये। जब आप आधारभूत बातों में जाते है और फुटबॉल के मैदान पर; जब वो एक दल (टीम) को जरूरत के एक विचार में देखेंगे उनके दर्शन को पूरा करने के लिए हालांकि कुछ प्रश्न दिए गए हैं भाग लेने वालो के साथ विचार विमर्श के लिए, कुछ और प्रश्न भी जोड़ सकते है, कुछ कम भी कर सकते हैं।

दूसरों के साथ मिलने के इस समय कर आन्नद दीजिए।

प्रिय जवान अगुवे,

जवानों के मध्य सेवा व जवानो को एक दल के रूप में जोड़ते हुए, हम लोग जवानों के मध्य सेवा में है, हम सब का एक उद्देश्य यह भी है कि हम सब मिलकर विश्व में अगुवों की एक नई पीढी बनाने के लिए जिसका केन्द्र बिन्दु यीशु मसीह हो, मिलकर कार्य करें।

पांच प्रशिक्षण के सिद्धांतों की पद्धति को परमेश्वर की कलीसिया को संयोजन कर रूप देने के लिए पहले कदम के रूप तैयार किया गया है, इसका उद्देश्य विश्व में जवान अगुवों को तैयार करने में मदद करना है। इस को इस विश्वास के साथ तैयार किया गया था कि पांच सिद्धांत, दर्शन, अगुवापन, ज्ञान/सांस्कृति सम्बन्धी/जुड़ाव और आत्मिक तौर पर सभी संस्कृतिक मापदंडो में प्रयोग किये जाए।

जनवरी 2008 में यह सिद्धांत अफ्रीका में अगुवो द्वारा बनाये गए। 2009 में प्रशिक्षण मसौदा (सामग्री) को पुन: जाँचा गया और पूर्ण किया गया, पुन जांच व संशोधन के साथ सामग्री को डाक से भेज दिया गया।

इस पद्धति का उद्देश्य/स्वपन यह होगा कि एक यन्त्र के तौर पर इस का उपयोग स्थानीय, राज्य/प्रान्तीय, क्षेत्रीय ओर राष्ट्रीय अगुवों द्वारा सब जगहों पर इसका हो सकें। अपने अगुवों को तैयार करने के लिए, उन्हें प्रशिक्षण व शिक्षा के लिए इन अध्यायों व भागे का उपयोग करने के लिए स्वतंत्रता अनुभव करें।

सामग्री को संपूर्ण दिन सेमीनार या अर्द्ध दिन सेमीनार के लिए उपयोग किया जा सकता है। यदि आप इस चिन्ह को जो पूरे दिन के लिए सकेंत करता है

देखते हैं तो प्रत्येक पाठ 75- 76 मिनट का समय लेगा, यदि आप इस चिन्ह को देखते है

जो अर्द्ध दिन की ओर संकेत करता है पांच सिद्धांतो का प्रत्येक सत्र 50- 59 मिनट का होगा।

मसीह को केन्द्रबिन्दु कर एक नई पीढी तैयार करने के लिए समर्पित,

जवानो की दलबद्ध टीम व जवानों में सेवा

एक नज़र (विषय सूची की तालिका)

I. आरम्भ करना: क्या महत्वपूर्ण है।

II. 4 एम चर्च का केन्द्र/अहम बिन्दु

(a.) प्रस्तुरित एवं सामग्री (छपी हुई)

(b.) विचार विर्मश

(c.) इस संबंध में विचार करें।

III. दर्शन

(a.) एक दल (टीम) दर्शन परिचय

1. 4 एम चर्च नमूने के द्वारा दर्शन को पूरा करने के लिए जोर देना
2. खेल

(b.) पहले आधार और बचाने वाले: हम जाने और एक दूसरे की देखभाल करें।

1. देखभाल जैस वचन में वर्णन किया गया है।
2. देखभाल प्रयोगात्मक तरीकों में

(c.) दूसरों आधार और मध्य क्षेत्र के खिलाड़ी/ रक्षक : हम सेवा करें और एक दूसरे पर भरोसा करें।

1. प्रेम में एक दूसरे की सेवा करें।
2. प्रयोगात्मक तरीकों से सेवा करना।

(d.) तीसरा आधार और अग्र पंक्ति के लोग/खिलाड़ी: हम सहयोग करें और एक दूसरे पर भरोसा करें।

1. साधारण गलती: पहले दो आधारों को या स्तर को छोड़ देना।
2. साथ-साथ काम करते हुए।

(e.) हमारा क्षेत्र/क्षमता और उद्देश्यः- हम रचनाशील हो और जुडे रहे, केवल सहयोग करने वाले ही न हो।

1. एक खेलः- विभिन्न अनुवाद
2. जुडे हुए व प्रतिद्वंदि के बीच
3. परमेश्वर की कलीसिया का अंर्तराष्ट्रीय अनुवाद/व्याख्या

IV. निष्कर्ष

	आपको दिए समयानुसार अनुसरण करें।
	पूरा दिन (यदि आप के पास है 75-84 मिनट)
	आधा दिन (यदि आपके पास है 50- 59 मिनट)

भाग 1

प्रारम्भ करनाः क्या महत्वपूर्ण है?

आवश्यक सामग्री/स्रोतः- टूथ पिक और गोंदः-

HALF DAY FULL DAY

9 मिनट

आप रचनाकर हो सकते है और दूसरी सामग्री का प्रयोग कर सकते हैं यदि आवश्यक हो। भाग लेने वालों को 3 से 5 ग्रुप में बांट दें, उनको 3 से 5 मिनट का समय दे एक घर बनाने के लिए। जब वो घर बनाकर काम खत्म कर चुके, उनसे पूछे कि वो क्या सोचते है कि क्या उनका घर तूफान का सामना कर सकेगा/टिक पाएगा। सम्भव हो तो उनका एक चक्कर लगाए और उस सतह को हिलाए जिस पर घर बना हुआ है देखें कि घर गिरता है या नहीं, अधिकतर घर गिर जायेंगे। प्रश्न पूछें कि घर का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा/भाग कौन सा है? जवाब होगा नीव/बुनियादः तेज हवाओं में घर को दृढता से खड़े रहने के लिए एक मजबूत बुनियाद की आवश्यकता होती है। यीशु ने इस सम्बन्ध में मति 7:24-27 में बात की

"इसलिए जो कोई मेरी ये बातें सुनकर उन्हें मानता है, वह उस बुद्धिमान मनुष्य के समान ठहरेगा जिसने अपना घर चट्टान पर बनाया। और मेह बरसा, और बाढे आई, और आंधियाँ चली और उस घर से टकराई, फिर भी वह नही गिरा क्योकि उसकी नींव चट्टान पर डाली गई थी परन्तु जो कोई मेरी ये बातें सुनकर नहीं मानता है और उन पर नहीं चलता, वह उस निर्बुद्धि मनुष्य के समान ठहरेगा, जिसने अपना घर बालू पर बनाया और मेंह बरसा बाढे आई, और आंधियाँ चली और उस घर से टकराई और वह गिरकर सत्यानाश हो गया।

दूसरा विकल्पः-

भाग लेने वालो को 8 से 10 के समूह/ग्रुप में बांटे तथा प्रत्येक समूह को घर बनाने का निर्देश दें। कोई दरवाजा बन सकता है कोई खिड़की, कोई ..... । समूह को 3-4 मिनट का समय दें व उन्हें बताये कि वे रचनाशील रहें। समूह का निर्देश दे कि वे एक जन को चुने कि वो बतायें व उनके द्वारा बनाये घर की व्याख्या कर समाप्त करें।

भाग 2

मुख्य उपयोगिता और 4 एम चर्च

A. प्रस्तुति एवं सामग्री

मुख्य उपयोगिता

7 - 9 मिनट

यह वे गुण व उपयोगिताए हैं जिनके लिए समय बाधक नही तथा (7 मिनट - 9 मिनट) यह कभी न बदलने वाली है। यह बात भी मायने नही रखती कि अगुवा कौन से स्थान पर है। यह सेवा की नींव है।

परमेश्वर की कलीसिया में जवानो में सेवा के लिए संयुक्त राज्य अमेरीका और कनाडा में वहां पाँच मुख्य गुण/विशेषताए है यह वह सिद्धान्त है जिनके ऊपर सबकुछ बनाया जाता है।

1. हम जवानों को महत्व देते है:- जवान परमेश्वर के द्वारा चुने जाते है कि वो संसार में विभिन्नता बनायें और वो कलीसिया के स्वास्थ्य में बढोतरी के लिए आवश्यक है।
2. हम जवान कार्य करने वाले को महत्व देते हैं:- जवान कार्य करने वाले विश्वास को अगली पीढी को सौंपने में निर्णायक होते हैं।
3. हम आत्मिक उन्नति को महत्व देते हैं:- आत्म्कि उन्नति एक उद्देश्यपूर्ण जीवन भर चलने वाली प्रक्रिया है।
4. हम प्रार्थना को महत्व देते हैं:- परमेश्वर की अदभुत सामर्थ को खोलने के लिए प्रार्थना अत्यंत आवश्यक है।
5. हम कलीसिया (चर्च) को महत्व देते है: यह वो वाहन है जिसे परमेश्वर ने दीक्षा दी है कि वो संसार को परिवर्तित करें।

यह आधारभूत सिद्धांत है जो सूचित करते है और जिन्हें बदला नही जा सकता।

फिर भी नींव बिना घर के बहुत प्रभावी नही हो सकती, जवानों से संबंधित सेवाओं के पास कोई आधार व दर्शन नहीं है वो केवल मनोरंजन करने के लिए कार्य करते है उनके मस्तिष्क में यह विचार नहीं होता कि वो किस कार्य से अंत करेंगे। यह ऐसा जैसे बिना निशाने के तीर छोड़ना। आप कभी भी जान नही पाते कि आप किसको मार रहे है क्योंकि आपने किसी की ओर भी निशाना नहीं लगाया।

तो आप कैसे एक दर्शन और निशाने को बनाते हैं कि जहाँ आप जाना चाहते हैं कि आप जायें? एक भवन निर्माता के समान जो बनाए गए नक्शे व योजना का अनुसरण करता है

एक मजबूत अगुवा सेवा के लिए वैसे ही अनुसरण करता है सेवा करने के लिए बाइबल में आधारित नक्शा, योजना है जिसका अनुसरण किया जा सकता है वह 4 एम चर्च है।

4 एम चर्च का परिचय दें, 4 एम चर्च का छापा हुआ नक्शा बांटे या बोर्ड के उपर 4 एम चर्च का नक्शा बनाये।

4 एम चर्च

एक दिखाई देने वाले ढांचे का उदाहरण जो हमारे सब निर्णयों और दिशाओं का निर्देशन करता है।

तरीका व्यूह रचना योजना – पहुंचना – चेला – पवित्रात्मा से भरना अधिक प्रभावी होने के लिए समयानुसार बदला जा सकता है।
सेवा:- जवान अगुवों को और उनके छात्रों को समयानुसार वर्षों और सांस्कृति और जरूरतो के अनुसार कुछ बदल जायें, लेकिन महत्वपूर्ण क्षेत्रों का प्रतिनिधि करता है, जिन्हें केन्द्र बिन्दु बनाकर लगातार प्रयास किया गया।
उद्देश्य: मसीही केन्द्रीत अगुवो कि नई पीढ़ी को बनाने के लिए गंभीर बने। महान आदेश पर आधारित मति 28:19-20 बनावट में एक मुख्य तत्व – कभी नही बदलता
संदेश : क्रोध सहित प्रेमी परमेश्वर, बलिदान होते हुए दूसरों की सेवा कर रहा है। महान आज्ञा पर आधारित – मत्ति 22:37-40 बनावट में का एक मुख्य तत्व – बदलता नही
अहम मुख्यता हम जवानों को अहमियत दें। हम आत्मिक उन्नति को अहमियत दें। हम जवान कार्य करने वालों को अहमियत दें। हम प्रार्थना को अहमियत दें। हम कलीसिया (चर्च) को अहमियत दें। नींव – नही बदलती

एम नमूना जिसको यू0 एस/कनाडा व सी.एच.ओ.जी. जवानों की सेवा में प्रयोग किया गया।

ब. विचार विर्मश

8मिनट

प्रतीकात्मक रूप से अधिकतर सेवाया इस विधि में उपर से आरग्म करती है: कैसे मुझको एक बड़ा कार्यक्रम मिल सकता है? या ज्यादा से ज्यादा लोगों को पाने के लिए हम क्या करें? या हमें और पैसे की जरूरत है कि हमारे पास अच्छा.....। विधि के ऊपर ध्यान केन्द्रीत करते हुए प्रथम बिना ढांचा तैयार किये छत के डालने जैस होगा।

हम कौन हैं बुनियाद के पश्चात (केन्द्रीय मुख्यता – हम क्या वास्तव में अहमियत देते है) नीव रखी जाती है। वो स्थान जहां से हमें बनाना आरम्भ करना है नीव है। संदेश हमारा आधार मत्ति 22:37-40 में पाया है। यही हमारी पहचान है। ये बताता है कि हम कौन है। हम यीशु के प्रेमी है और दूसरों के भी प्रेमी है। यह महान आज्ञा है "यीशु ने उत्तर दिया" प्रभु अपने परमेश्वर से अपने सारे मन और अपने सारे प्राण और अपनी सारी बुद्धि के साथ प्रेम रख, बड़ी और मुख्य आज्ञा तो यही है और उसके समान यह दूसरी भी है कि तू अपने पड़ौसी से अपने समान प्रेम रख, ये ही दो आज्ञाएँ सारी व्यवस्था और भविष्यद्ववताओं का आधार हैं।

जीवन का उद्देश्य/दर्शन है कि हम किस के विषय में है। हमारे जीवन का उद्देश्य महान आज्ञा है। ये बताता है कि चेला बनाना है। "तब यीशु ने उनके पास आकर कहा "स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है, इसलिए तुम जाओ, सब जातियों के लोगों की चेला बना दो, और उन्हें पिता, पुत्र और पवित्रात्मा के नाम से वपतिस्मा दों, और उन्हें सब बातें जो मैनें तुम्हें आज्ञा दी है मानना सिखाओ, और देखो मैं जगत के अन्त तक सदा तुम्हारे संग हूँ।

संदेश और उद्देश्य सेवा व सेवा के ढंग/तरीके के विषय जानकारी देता है हम नीव/बुनियाद से उपर कि ओर काम करते है।

हम किसकी सेवा करते हैं:- सेवा यह है कि हम किसकी सेवा करते हैं। क्या आप का छात्र, जवान अगुवे, बच्चे, व्यस्क, गरीब, पढ़े-लिखे या..... है? यह आपका निशाना साधने वाला समूह है। यह समय अनुसार बदल सकते है परन्तु संदेश और उद्देश्य समान ही रहता है।

हमारी ब्यूह रचना:- विधि है व्यूह रचना कि हम कैसे सेवा करते है विधियां प्राय बदल जाती है जैसे-जैसे समय बदलता है। जो कार्यक्रम बीस वर्ष पहले कार्य करते थे। प्राय: आज वो कार्य नही करते। संदेश और उद्देश्य नही बदलता परन्तु गाड़ी और विधि बदल जाते हैं। उदाहरण के लिए, संयुक्त राज्य अमेरीका और कनाडा और आशा है भविष्य में, पूरे विश्व में, बुनियादी पाँच अहम मुख्यता, जो जवानों की सेवा (यूथ मिनिस्ट्री) को संचालित करती है, वो है जो हम करते हैं, हम जवानों की अहमियत देते हैं, हम जवान सेवकों को अहमियत देते

हैं। हम चर्च/कलीसिया को अहमियत देते है। हम आत्मिक उन्नति को अहमियत देते हैं, हम प्रार्थना को अहमियत देते है। संदेश यह है कि क्रोध करने वाला प्रेमी परमेश्वर स्वयं बलिदान होकर दूसरों की सेवा करते हुए महान आज्ञा देता है जो मति 22 में पाया जाता है। गम्भीर होकर एक नई मसीही केन्द्रित अगुवों की पीढी बनाने के लिए यह आधारभूत तत्व स्थिर है और जवान अगुवो के लिए सेवा है, विधि व व्यूह रचना एक साधारण तरीका है – मदद करते हुए पहुँचना, शिष्य/चेला और छात्र व अगुवो को पवित्रात्मा से भरना।

हर कार्य (सब कुछ) जो हम करते है वो केन्द्रीय सन्देश द्वारा चलाया जाता है और साधारण व्यूह रचना में ठीक/सही बैठता हैं। व्यूह रचना समयानुसार बदली जायें। यह लगभग साज सामान की सामग्री और पेन्ट के समान है। प्राय: कुछ वर्षों बाद, हम अपने कुछ साज सामग्री को ठीक ठाक करते है हम उसको क्रमबद्ध करते है और अपने घर को सफेदी (Pant) करते है, लेकिन बुनियाद व ढांचा दृढ रहता है।

C. इस संबंध में विचार करें।

8मिनट ***7 मिनट*** – क्या सब 3 से 5 के छोटे समूह में बंट गए हैं, यदि वे एक ही चर्च व एक क्षेत्र से है उनको साथ मिलाये (यदि वे 3 व 5 से ज्यादा है) वे 4 एम चर्च नमूने का अनुसरण करते हुए अपनी सेवा के लिए कार्य करें। यदि उनके पास दर्शन व व्यूह रचना है उनको मूल्यांकन करने दे कि कैसा चल रहा है। यदि उनके पास कोई योजना नही है तो उनको 4 एम चर्च नमूने को प्रयोग करते हुए सेवा के लिए स्वपन, दर्शन का विचार व्यूह रचना करने के लिए कहे। ग्रहण करने व उपयोग करने के लिए उनका स्वागत किया जाता है। जिसको परमेश्वर की कलीसिया (चर्च ऑफ गॉड) कार्यालय द्वारा जवानों की सेवाओं में संयुक्त राज्य और कनाडा द्वारा उपयोग किया गया। 4 एम. सूचीबद्ध है, उसे अपने स्थानीय क्षेत्रों में ग्रहण कर रहे हैं।

भाग 3

दर्शन

A. दलबद्ध दर्शन का परिचय

8मिनट

1. 4 एम चर्च के नमूने द्वारा दर्शन को पूरा करने पर पुनः बल देना।

बनाने की परिभाषा पर पुनः बल दे अश्वस्त हो कि आपने संदेश की बुनियाद (महान आज्ञा मत्ति 22.37-40) उद्देश्य (मत्ति 28.18-20) और नीव (आधार) बना लिया है।

अब आपके पास दर्शन है, अब आप क्या करें और लोग भी आपके साथ आये और आपकी मदद करें। दर्शन को पूरा करने के लिए।

2. खेल

विकल्प # 1. बाइबल बेसबॉल से शुरूआत/आरम्भ करें। (विकल्प # 2. के लिए नीचे सूची दी गई है। चुने या नहीं) दो (टीम) समूहों में बांटे प्रत्येक (टीम) समूह एक प्रश्न पूछती है जिसमें एक, दो, तीन या ज्यादा महत्वपूर्ण (अहम) बातें है। अहमियत पूछे गए प्रश्न की कठिनाई/मुश्किल से संबंध रखती है। गलत जवाब आउट (बाहर) कर देगा। प्रत्येक टीम की हर पारी में 3 (मौके) आउट काम के साथ दे, जैसे बेसबॉल मैच जीतने के लिए ज्यादा रन बनाने हैं। यह समय पर निर्भर करता है कि आप तीन पारी खेलते है या कम प्रश्न विभिन्नता लिए हुए बाईबल प्रश्न पुस्तक या इंटरनेट साईट से लिये जा सकते है। किसी एक जन की आवश्यकता है कि वह प्रश्न का हवाला दे व अहमियत को बताये चाहे वो एक हो, दो हो, तीन हो या ज्यादा हो। उनको दो (टीम) समूह में बांट दे (समूह में कितने लोगों को तैयार किया गया है इस बात को ध्यान रखते हुए) – नमूने के लिए प्रश्न

एकल (रक्षक)

1. यीशु की माता कौन थी? मरियम
2. बाइबल की पहली पुस्तक कौन सी है? उत्पत्ति
3. किस ने जहाज बनाया? नूह
4. प्रथम दिन परमेश्वर ने क्या बनाया? ज्योति (दिन और रात)
5. यीशु कैसे मारा गया? क्रुस पर चढाया गया।

दोहरा (मध्य क्षेत्र रक्षक)

1. किसने सिंहों की मांद में एक रात गुजारी? दानिएल
2. वो कौन सा चेला था जिस से यीशु प्यार करता था? यूहन्ना

3. बाइबल में कितनी पुस्तकें हैं? 66
4. फिलिस्तीनी दैत्य का नाम क्या था? गोलियत
5. याकूब ने अपने बेटे युसुफ के लिए क्या बनाया था? रंगीन अंगरखा।
6. परमेश्वर ने क्या किया नूह को यह दिखाने के लिए कि वो सब प्राणियों के लिए अपना वादा निभाएगा? आकाश में एक इन्द्रधनुष दिखाया।

तिगुना (अग्रपंक्ति के खिलाडी)

1. राजा शाऊल एक पुत्र था जो दाऊद का दोस्त था? योनातन
2. दस आज्ञाएँ बाइबल को किन दो पुस्तको में पाईं जाती हैं? निर्गमन और व्यवस्था विवरण।
3. यीशु ने कहां शादी में पानी को दाखरस बनाया था? काना
4. नूह कितने वर्ष का था जब बाढ़ आई? 600
5. लोगों ने बाबुल में क्या बनाया था? एक नगर और मिनार जिसका उपरी सिरा स्वर्ग में जाता हों।

निशानाः

1. बाइबल की सबसे छोटी आयत कहां पाई जाती है? यूहन्ना 11:35
2. प्रेरितो के काम की पुस्तक किसने लिखी? लूका
3. वो कौन सा व्यक्ति था जिससे एक गधे ने बात थी? बालाम
4. पर्वत पर परमेश्वर मूसा को अपना नाम बताता है वो क्या नाम है? यहोवा और मैं जो हूँ सो हूँ।
5. वो कौन सा पर्वत था जिस पर मूसा को दस आज्ञाऐं मिली थी? सैनाई पर्वत लोगों के उस देश में पहुँचने से पहले ही मूसा मर गया।
6. क्या मूसा वाचा के देश में पहुँचा था? लोगों के उस देश में पहुँचने से पहले ही मूसा मर गया।

FULL DAY HALF DAY
1 मिनट

(H.D. बिना खेल के या F.D.) खेल के पश्चात, बेसबॉल का खेल पूरे विश्व का खेल बन रहा है। उत्तम विश्व बेसबॉल खेल 2007 में हुआ था जहां संयुक्त राज्य ने राष्ट्रों को एकत्रित कर ओलम्पिक प्रतिस्पर्धा शैली में किया था। इस खेल का मुख्य कार्य दूसरी टीम से ज्यादा रन बनाना था। बेसबॉल उस टीम के द्वारा जीता गया जिसने अपने लोगों की उम्मीद को सब से ज्यादा छुआ, और जिसने सबसे ज्यादा रन बनाये। लेकिन घर बनाने के लिए, आपको दूसरे तीनों आधारों को क्रमबद्ध रूप से छूना है। जब हम बात करते है दूसरों को अपना बनाने और

दर्शन प्राप्ति के लिए आगे बढ़ाने की, तो हमें निश्चय ही कुछ "आधारों" को पूरा करना पड़ेगा।

आईये एक नजर डालते है विभिन्न आधारों पर पूरा करने के लिए ताकि हम प्रभावी तरीकों द्वारा लोगों को अपने साथ मिलायें। (एक बेसबॉल के मैदान का नक्शा ब्लैक बोर्ड पर या सफेद बोर्ड पर खिचें अपने अधारों का उदाहरण बांटने के लिए) एक धावक (रनर/लीडर) का उपयोग करें अपने आधारों के चारो ओर घुमने के लिए। अन्त में आपके पास दी गई (प्रिन्ट आउट) सामग्री का उपयोग करें।

FULL DAY HALF DAY
3 मिनट

विकल्प # 2, फुटबॉल खेलने से प्रारम्भ/आरम्भ करें। दो टीमों में बांटे, हर टीम को एक प्रश्न दिया जाएगा, यदि सही उत्तर दिया गया तो "बॉल" गोलकीपर से डीफेन्डर (रक्षक खिलाड़ी) के पास दी जाएगी। दूसरा सही उत्तर का अर्थ है कि बॉल डीफेन्डर (रक्षक खिलाड़ी से मध्य रक्षक खिलाड़ी के पास जाएगी, तीसरा सही उत्तर का अर्थ बॉल अग्रपंक्ति के खिलाड़ी के पास, अगल सही उत्तर का अर्थ होगा एक गेल ल ल का होना। प्रश्न कठिन होते जाएंगे जैसे-जैसे टीम गोल के नजदीक पहुँचेगी। प्रश्न बाइबल प्रश्नोतरी पुस्तक या इन्टरनेट से किसी बाइबल साइट से लिये जा सकते है। कुछ उदाहरण विकल्प 1 में उपर है। किसी एक की जरूरत होगी कि वो इन प्रश्नों को बनायें व उनका हवाला देकर कठिनतानुसार अहमियत आंके। लगभग 10 मिनट तक खेल खेले। टीम दो समूह को अलग-अलग भागों में बांटकर बनायी जाएगी। (समूह की संख्या पर निर्भर करता है कि कितनों को प्रशिक्षित किया गया है, या आप दो से ज्यादा टीम बांटना चाहे)

FULL DAY

(एच.डी. बिना खेल के या पूरा दिन) खेल के पश्चात: फुटबॉल विश्व का जाना माना खेल है। यह उस टीम के द्वारा जीता जाता है जो 45 मिनट में ज्यादा गोल करती है। और जब गोल होता है तो घोषणा करने वाला (या बताने वाला) पागल होकर उन्माद से भरकर चिल्लाता है गोल.....ल.....ल.....ल..... (लोग आनन्द से खड़े होकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते और चिल्लाते है "गोल") लेकिन गोल करने (बनाने) के लिए टीम में सब लोगों के काम की आवश्यकता होती है। और यह बहुत ही दुलर्भ हे कि गोलकीपर गोल करें (बनाये)। अगुवे होने के नाते परमेश्वर हम अगुवो को यह मदद करता है कि हम औरों को उस दर्शन की ओर बढ़ाये जिसे हम पूरा करना चाहते हैं। हम कैसे एक ऐसा वातावरण बना सकते है कि लोग स्वयं ही उसमें आयें और उस दर्शन को पूरा करने के लिए स्वयं ही उसका भाग होना चाहे? (उदाहरण के लिए फुटबॉल के मैदान, नक्शा, ब्लैक या सफेद बोर्ड पर खीचें जैसा आप दर्शन को बांटना चाहते हैं) एक फुटबॉल का प्रयोग करें जिसे गोलकीपर (अगुवे) द्वारा आगे दे दिया गया है अपने दर्शन का उदाहरण देने के लिए या नीचे दी गई सामग्री (पेपर) का प्रयोग करें।

FULL DAY HALF DAY
6 मिनट

B. पहला आधार (बेसबॉल) और बचाने वाले (फुटबॉल) – हम जानते है और एक दूसरे के लिए परवाह करते हैं।

1. देखभाल वचन में जैसे बताया गया है- भजन संहिता 8:4, में एक रोचक प्रश्न पाते हैं "तो फिर मनुष्य क्या है कि तू उसका स्मरण रखें, और आदमी क्या है कि तू उसकी सुधि लें? भजन का लेखक इस सच्चाई कि तरफ ले गया है कि दरअसल पूरे ब्रह्मांड का रचियता परमेश्वर मनुष्य की देखभाल करता है। बहुत सारे लोगों जिनमें छात्र भी सम्मिलित है इस बात को देख नही सकते कि यीशु प्रेमी परमेश्वर है अपने अनुभवों से जो उनके पास है व जो उनके पास थे) ऐसा क्यों हुआ था? कहना दूखपूर्ण है, कुछ मामलों में इस कारण यह कि मसीह लोगों ने जिस प्रकार से उनके साथ व्यवहार करना चाहिए था नहीं किया। हम बहुत व्यस्त रहे हैं, न्याय करने की आत्मा को दर्शाता है या प्रायः ज्यादा समालोचनात्क रहे हैं। परमेश्वर चाहता है कि हम उसके प्रेम व उसके द्वारा दी गई देखभाल के प्रति गंभीर हो, विशेषकर एक अगुवे के रूप में। जैसा हम 1 पतरस 5:2 में पाते हैं परमेश्वर ने हमें यह पदवी दी है कि मदद करें उनकी देखभाल करें: "कि परमेश्वर के उस झुंड की जे तुम्हारे बीच में है रखवाली करों और यह दबाव से नही परन्तु परमेश्वर की इच्छा के अनुसार आनन्द से, और नीच कमाई के लिये नहीं पर मन लगा कर देखभाल कर यीशु के प्रेम को दूसरों को दर्शाना सेवा में हमारा एक प्रमुख उद्देश्य है। समूह से पूछे, वो और क्या तरीके है जिनके द्वारा हम दूसरे की देखभाल कर सकते है? (याकूब 2:15-16) परन्तु देखभाल दूसरे महत्वपूर्ण तरीकों से भी की जा सकती है।

    1. **आत्मिक देखभालः**- आखिरकार एक व्यक्ति के आत्मा की देखभाल करना ही एक सेवा को सर्वश्रेष्ठ करता है। (मरकुश 8:36)
    2. **भावनात्मक देखभालः**- हमारे इस दुख/चोट पहुँचाने वाले संसार में, लोगों के पास बहुत से ऐसे जख्मों के निशान है जो उन्हें जीवन में मिले है।
    3. **शिक्षा में देखभालः**- इस योग्य होने के नाते कि परमेश्वर को लोगों के निजी जीवन में लाना और उसको संस्कृति में लाना हमारी जिम्मेदारी है (2 तिमुथी 3:4-17)

    सेवा की सबसे पहली और महत्वपूर्ण बात यह कि लोग इस बारे में जाने कि परमेश्वर उनकी देखभाल करता है और परमेश्वर उस देखभाल को दर्शाने के लिए हमारा प्रयोग करता है: जॉन मैक्सवेल प्राय: हमेशा इस बात को कहा करते थे "लोग इस बात कि परवाह नही करते कि आप कितना जानते है, जबतक वो इस बात को नहीं जानते है कि आप उनकी कितनी परवाह करते हैं।"

2. अभ्यासात्मक/प्रयोगात्मक तरीकों से देखभाल करना। तो, अभ्यासात्मक/प्रयोगात्मक तरीके से देखभाल करना कैसा दिखता है।

A. लोगों के बारे में जानने के लिए समय लगायें। आईये एक प्रयोग करते है। किसी ऐसे के साथ जोड़ा बनाये जिसे आप नही जानते अच्छी तरीके से नही जानते। नीचे दी गई जानकारी को पता लगाए।

1. परिवार के सदस्यों व हर सदस्य के बारे में एक रोचक सत्य
2. अवकाश/फुर्सत का समय व उनकी रूचि
3. यदि पैसा विकल्प नही होता तो व्यक्ति क्या करना चाहता था?

एक-दो, मिनट के पश्चात समूह को साथ-साथ वापस लायें, देखभाल की शुरूआत व्यक्ति को जानने के साथ आरम्भ होती है वो वास्तव में कौन है। इसमें समय लगता है। इसमें वचन बद्धता व लगन चाहिए।

B. पूछे, "वास्तव में आप कैसे कर रहे हैं?" अपने संबंध की सतह पर वार करें/मारें इस सत्य को जानने के लिए व्यक्ति के साथ क्या हो रहा है/चल रहा है। शायद यह खुशी देने वाला न हो परन्तु यही वास्तविक है।

C. विशेष दिनों व किसी कार्य के पूरा होने पर उत्सव/समारोह मनायें, जन्म दिन को याद करते हुए या सफलता पर बधाई देते हुए। एक व्यक्ति को जानने दे कि उन पर ध्यान दिया जा रहा है कि वे बहुत महत्वपूर्ण है।

D. मुश्किल के समय में आराम। शायद आप न जानते हों कि मुसीबत के समय क्या कहना है। परन्तु यह आपकी मौजूदगी को उस व्यक्ति के पास से दूर न करें जिसको आपकी जरूरत है। प्राय: ऐसे समय में इतना कहना कि मुझे दुख/खेद है कि आपको ऐसे कठीन समय में से गुजरना पड़ा रहा है" उस व्यक्ति को आराम देगा/तसल्ली देगा।

E. एक व्यक्ति से जुड़ी जरूरतों को समझे व पहचाने। वास्तव में इस बात को समझने की कोशिश करें कि उनके जीवन में क्या चल रहा है।

FULL DAY HALF DAY
3 मिनट

C. दूसरा आधार (बेसबॉल) या मध्य क्षेत्र रक्षक (फुटबॉल) - हम एक दूसरे पर विश्वास कर सेवा करते हैं।

1. एक दूसरे की सेवा प्रेम में,
   गलतियों की पत्री 5:13 का आखिरी भाग हमें बताता है कि "प्रेम में एक दूसरे की सेवा करो, एक प्रसिद्ध मसीह विवाह सेमीनार पर, जोड़ो को चुनौती दी गई कि वो अपने प्रत्येक दिन का आरम्भ अपने साथी से निम्न प्रश्नों को पूछकर करें। "मैं कैसे आज तुम्हारी सेवा कर सकता हूँ", बाइबल यह इस तरीके से कहती है। "हरेक अपने ही हित की नहीं वरन दूसरे के हित की भी चिंता किया करें", फिलिप्पियों 2:4। सेवा करना हमें दूसरे आधार में ले जाता है या हमें खेल के मैदान में ले जाता है क्योंकि यह केवल लोगों की जरूरतों को समझकर जिन्हें हम जान लेते हैं, प्रतिक्रिया देना

नहीं, परन्तु यह हमें वह कारण देता है जिससे हम उन तरीकों को/रास्तों को खोज सकते हैं, जिससे हम दूसरे की सेवा कर सकते हैं।

सेवा तब जब हम, इससे पहले कि समय बिताया जाए, जरूरत को अनुमान लगाकर सेवा कर दे। इसी कारण से आपको पहले आधार पर पहुंचना पड़ेगा, या पहले स्तर पर, दूसरे आधार या दूसरे स्तर पर पहुँचने से पहले। (जरूरतों का पुर्वानुमान) लगाना कठिन होगा (बिना पहले स्तर को पूरा किये)- वास्तव में उसको जानते हुए उसकी देखभाल करते हुए, सेवा करना संबंधों में विश्वास की बढ़ाता है क्योंकि देखभाल स्वयं ज़ाहिर है। तो, पुनः प्रयोगात्मक रहें।

1. निरीक्षक हो/सावधान हो, यूहन्ना 4 में वर्णित यीशु और सामरी स्त्री की कहानी सम्मवत् निरक्षक होने का एक बड़ा उदाहरण है यीशु जानते थे, कि यह स्त्री समस्या में थी, केवल उसकी परिस्थिति को देखते हुए। क्या जिनकी हम देखभाल करते है उनके प्रति संवेदनशील है और उनसे कठीन प्रश्न पूछने की इच्छा रखते है?

2. पारदर्शक हो। लोग वास्तव में आपकी सच्चाई/वास्तविकता पर विश्वास करेंगे। अगर आप असफल हो जाते है और उसको मान लेते हैं। यदि आप गलत है और माफी मांगते हैं। यदि औरों ने आपका बुरा किया है, और माफी मांगने के पहले ही आप उन्हें माफ कर देते है। ,देखे कुलसियो 3:13, रोमियों 15:7)

3. सुरक्षित हो/रहे, आप पर भरोसा करके जो बातें किसी ने आपके साथ बांटी है। किसी के साथ भी न बांटे, न ही तो वो व्यक्ति जिसने आप पर भरोसा किया था तो खुद को या औरों को नुकसान पहुंचा देगा। गोपनीयता जब हम सेवा करने की अपनी योग्यता को समझते है। मत्ति 6:3 यीशु बताते है कि हम किसी जरूरत मंद को दे रहे है तो हमारे बायें हाथ पता न लगे कि हमारा दाहिना हाथ क्या कर रहा है। अपने जीवन को लोगों के लिए सुरक्षित स्थान बनाये जहां लोग आपसे खुल सकें। आपकी ईमानदारी को देखकर। ईमानदारी से विश्वास करना कठीन होता है।

4. संभालने वाले हो 1 कुरिन्थियुस 16:15-18, पौलूस अपने सेवा करने वालों को आज्ञा देता है। जो सन्तों की सेवा में समर्पित थे, और वो पौलूस की सेवा करने आये थे। केवल शारीरिक जरूरतों के लिए ही नहीं, लेकिन पौलूस कहता है "उन्होनें मेरे आत्मा को भी ताज कर दिया"। हमें लोगों को संभालने की जरूरत है जब उनको पीड़ा पहुँचाई जा रही है और जब वो जीवन के मामलों के साथ संघर्षरत है और जब वो मसीह विश्वास के साथ जी रहे है। इन कठीन समयों मे जमानती न हो।

5. उत्साह देने वाले ही (देखे इब्रानियो 10:25) लोगों दुनिया से बहुत आलोचना व नकारात्मक बाते मिलती है। उनको यह चर्च/कलीसिया से नही मिलनी चाहिए, हां, हमें जरूरत है "प्रेम में वो उनको उत्साहित करें कि वो विश्वास में बने रहे"।

5 मिनट

D. तीसरा आधार (बेसबॉल) या अग्रपंक्ति के खिलाड़ी (फुटबॉल) – हमें एक दूसरे को संभालते हुए काम पूरा करना चाहिए।

1. **सामान्य गलतीः-** पहले दो आधारो या स्तर को छोड़ देना/छोड़कर आगे बढ़ना।

बेसबॉल का विकल्पः ऐसा पहले हो चुका है – बेसबॉल में, एक बेस का खिलाड़ी अपने बैट को बहुत ताकत से हिलाता है और जोर से बॉल को मारता है, बजाय इसके कि वो पहले आधार को पूरा करें। वह घबरा जाता है और तीसरे आधार की ओर दौड़ता है। बड़े जोर का शॉट मारने का उसका आनन्द शीघ्र ही दुख में बदल जाता है जब वह एक क्षेत्र रक्षक के द्वारा आउटकर नत्थी कर दिया जाता है। यद्धापि/जबकि बॉल पर एक जोरदार शॉट मारा गया था, फिर रन में असफलता इसलिए हुई कि उसने आधारों को सही क्रम में पूरा नहीं किया।

बहुत सारे अगुवे असफल हो गए है उस "बड़े शॉट" का लाभ उठाकर पूरा करने के लिए क्योंकि उत्साहित होकर अपने दर्शन को पूरा करने के लिए उन्होनें पहले स्तर को पूरा नही किया। यह अगुवों की एक सामान्य गलती है, लोगों को चुनौती देकर बड़ी बातों को बिना पहले उन्हें जाने और उनकी देखभाल किये बिना पूरा करना, बिना पहले उन्हे जाने और उनकी देखभाल किये बिना स्मरण रखें, लोग यह जानना चाहते है कि आप देखभाल करते है इससे पहले कि वे इस बात की चिंता करें कि आप क्या जानते है। और लोग यह विश्वास करना चाहते है कि आप उनके बारे में चिंता करते है इससे पहले कि वो इस बात कि परवाह करें कि आप उनके साथ क्या पूरा करना चाहते है।

फुटबॉल विकल्पः यह फुटबॉल में भी हर बार होता है – जब खिलाड़ी दूर दिशा में निकल जाता है। उत्साह में एक खिलाड़ी गोल करने के लिए, बजाय पास देने के आगे बढ़ जाता है तभी सीटी बजायी जाती है ऑफ साईड पुकारा जाता है।

बहुत सारे अगुवे असफल हो गए हैं। पूरा करने व, गोल करने में। क्योंकि उत्साहवर्धक होकर, उन्होनें बिना पहले स्तर को पूरा किये, कि उसके रक्षक, उसकी मदद करें, अपने दर्शन की पूरा करने की कोशिश की। सह अगुवे की एक सामान्य गलती है, कि लोगों को पूरा की चुनौती देते हैं बिना पहले स्तर को पूरा किये, बिना पहले उन्हें जाने बिना उनकी देखभाल/चिंता किये और लोग यह विश्वास करना चाहते हैं कि आप उनकी चिंता करते हैं इससे पहले कि वो इस बात कि परवाह करें कि आप उनके साथ क्या पूरा करना चाहते हैं। पढ़े लूका 5:1-11 यीशु ने इस सिद्धांत को जान लिया था जैसे ही उसने अपने चेलों की बुलाया। उसने अपने आप को उन्हें जानने दिया जैसे ही वह उनकी नाव में शिक्षा देने के लिए बैठा। उसने उन्हें उत्साहित किया और उनकी सेवा की उनके पेशे में जब वह उनके साथ मच्छली पकड़ने गया। और उन्हें स्वीकार कर उसने विश्वास बनाया उनको पापी होने के कारण अस्वीकार किया।

तब वो इस योग्य हुआ कि वो मुनष्य पकड़ने में उसकी सहायता करें। यह तो बहुत सरल है, एक अगुवे के तौर पर परमेश्वर द्वारा हमारे बुलाये जाने पर कौन भरोसा रखता है। और कौन उत्सुक है उसको काम करता हुआ देखे कि सेवा बढ़े, पहले दो स्तर को छोड़ आगे बढ़ा जायें।

बेसबॉल विकल्पः एक तीहरा या तीन स्तरीय शॉटः बेसबॉल के खेल में पूरा करना – यह एक अति कठिन बात है। ज्यादातर रन मारे जाते तीहरा होने से। ऐसा क्यो है? यहाँ बहुत सारा कार्य है जो कि तिहरा होने में चलता है और यहां संभालने वाले आधार/स्तर पर पहुंचने में भी पूरा/संपूर्ण किया जायें, कार्य करना पड़ता है।

फुटबाल विकल्पः- फुलबाल के खेल में गोल करने के लिए सबसे मुश्किल/कठिन बात जो होती है वह है एक प्रभावशाली बड़ा पास देना। अधिकतर समय बचाने के लिए गोलकीपर की बॉल वापस दे देते हैं और रक्षकों को समय मिल जाता है आराम करने के लिए। यहाँ पर बहुत सारे कार्यों को करना पड़ता है जो फुटबॉल के खेल को कार्यन्वित करते हैं। सम्भाल कर/सहारा देकर/दर्शन को संपूर्ण करने के लिए और स्तर आधार तक पहुँचने के लिए बहुत मेहनत और कार्य लगता है।

(a) जैसे हमने पहले ही कहा है, कि आप को पहले दो स्तर तक पहुँचना है इस कार्य में समय लगता है पहल और दूसरे स्तर को पाने के लिए और यह एक लम्बी दूरी का मार्ग है, परन्तु यह सही मार्ग है। अच्छे सम्बन्ध बनाने, भरोसा व चिंता करने में समय लगता है। सेवा करने के लिए यह अस्वास्थ्यकर/गंदा भी हो सकता है। परन्तु यही परमेश्वर में सबसे अच्छा रास्ता है और सबसे अंतिम मार्ग भी, एक साथ मिलकर परमेश्वर के राज्य दर्शन/बातों/ चीजों को पूरा करने के लिए (फिलिप्पियों 1:3-6)

(b) एक अगुवे के तौर पर एक महत्वपूर्ण बात है 'मेरे दर्शन' की 'हमारे दर्शन' में परिवर्तित/बदलना। महान आज्ञा (मति 28:19-20) को महान दर्शन भी कहा जा सकता है, जैसे यीशु ने तीन साल से ज्यादा का समय, देखभाल करने, शिक्षा देने, उनके सामने एक आर्दश देने में जब तक पतरस ने सब कुछ छोड़ न दिया प्रेरितों के काम 3:6 में जब उसने एक लगड़े व्यक्ति को कहा "सोना और चांदी तो मेरे पास है नही परन्तु जो कुछ मेरे पास है तुझे देता हूँ यीशु मसीह नासरी के नाम से चल फर"।

(c) औरों की भी वहाँ पूरा करने में सहायता दे जबकि यह आप का कार्य नही है। कई बार यीशु मसीही की सेवा में हम उसको चेलो की सहायता करते पाते है मछली पकड़ने में, टेक्स भरने में, और दूसरी बातों में जिनका उनके जीवन में वास्ता था, फिर भी, ऐसा कुछ नही था जिसके बारे में यीशु चिन्तित होता। उसने ऐसा किया कि वो जाने कि उनका जीवन और सेवा दोनो महत्वपूर्ण थे व जुडे हुए थे। अगुवे होने के

नाते, हमें अवश्य दूसरों को सहारा देने/ संभालने की आशा करनी चाहिए जैसे हम उनसे सहारा/सहयता पाने की आशा करते है। - (1 कुरिन्थियुस 9:19)

(d) (बिन्दु और गतिविधियों का प्रयोग करें यदि आप के पास पूरा दिन है) धन्यवाद व श्रेय दे जहाँ आवश्यक हो रोमियों 16 में एक बड़ी सूची है जिसमें पौलूस ने धन्यवाद व श्रेय दिया उन सभी की जिन्होनें उसकी सेवा की पूरा करने के लिए सहायता किया। जिन्होने आपकी मदद की परमेश्वर की सेवा को पूरा करने के लिए आपको उनका धन्यवाद करने की क्यो जरूरत है? उनके नाम नीचे लिखें।

.....

.....

.....

उनके नाम के बाद, लिखे आप उनका कैसे और कब धन्यवाद करेगें।

तीसरा आधार/स्तर, वो है जहाँ हम सभी पाना चाहते है- बहुत से इसे अपनी सेवा में दिखाई देने वाला प्रमाण व "गुण" मानते है। परन्तु जैसे इसने पुकारे जाने पर निराश किया, गलत दिशा में दौड़ने के लिए या फुटबाल में जब ऑफ साइड कहकर पुकारा गया यह निराशा देने वाला, और स्वयं को हराने वाला है, यह उम्मीद करना कि लोग आकर हमसे दर्शन खरीदे बिना उनके जीवन में पूंजी न लगाये। जीवनों में (पूंजी लगाने) बोने में समय लगता है। पहले दो आधार और पहले दो स्तर, में प्राय: महीने भी लग सकते है और कभी-कभी कुछ वर्ष भी, इनसे पहले आप स्तर/आधार के चारों ओर धूम सकते है या मैदान पर उतर सकते है।

(e) घर की स्तह पर (बेसबॉल) या गोल (फुटबॉल)- हम रचनाशील और जुड़े हो, केवल-सहयोगी ही न हो

1. एक जैसा खेल, विभिन्न अनुवाद

FULL DAY
4 मिनट

विकल्प# 1 बाइबल बेसबॉल का दूसरा एक और चक्र, माने जैसे सभी एक टीम ने है और बड़ी संख्या में, जितने ज्यादा सम्भव हो सके, रन बनाने के लिए कार्य कर रहे है।

विकल्प# 2 बाइबल फुटबाल का एक और चक्र, माने जैसे प्रत्येक एक ही टीम का सदस्य है और जितने ज्यादा सम्भव हो गोल बनाने/ गोल करने के लिए कार्य कर रहा है और जब गोल हो जाता है तो क्या लोग खड़े होते और चिल्लाते है "गोल"।

2. जुड़े हुए बनाम प्रतिद्वंदी/प्रतियोगी

क्या इस बार खेल में विभिन्नता महसूस होती है? (जवाब बांटने के लिए अनुमति दें)

शायद, सबसे पहली बात जो, कही जाएगी वो यह कि टीमों के बीच में प्रतिस्पर्धा/ प्रतियोगिता गायब हो जाएगी, वहाँ अभी तक प्रतिस्पर्धा/प्रतियोगिता थी, लेकिन खेल के लिए, एक दूसरे के विरोध में नही।

सबक/पाठ बहुत सारे चर्च और चर्च में समूह, चर्चों में ही एक दूसरे के प्रति, प्रतिस्पर्धा करते है, इसके बदले, आत्माओ को जीतने का प्रयास करना चाहिए, बजाय इसके कि हम एक जुड़ी हुई देह बनाये, हमने कलीसिया में प्रतिस्पर्धा को बना लिया है प्रतिस्पर्धा उपाधि की, आर्थिक रूप में, काम करने वाले, व अपनी पहचान बनाने के लिए।

रचनाशील व जुड़े हुए रहने का अर्थ है हमें मिलकर एक सार्वजनिक गोल जैसी महान आज्ञा के लिए प्रयास करना है यह वो जगह है। जहां हमें अपना समय लगाना व प्रयास करना है उन रास्तों की खोजने के लिए हम एक दूसरे कि सहायता कर सके, कि हम मिलकर परमेश्वर के राज्य के लिए सबसे बेहतर कर सकें।

तो, क्या यह एक सलीब के समान, एक प्लेट या, एक गोल करने के समान लगाता है?

FULL DAY HALF DAY
6 मिनट

A. हमारे पास पारस्परिक संबंधो का अनुभव है, एक टीम होने बजाये इसके कि हम किसी एक विशेष भाग पर अपने कार्य को करें, हम पूरे की देखभाल करते है। पहला कुरिन्थयुस 12 हमें चुनौती देता है कि पूरी देह की देखभाल करें। क्यों?

1. हमें एक दूसरे की जरूरत पड़ती है उन वरदानों का प्रयोग करने के लिए जिन्हें परमेश्वर ने हमको दिया है।
2. सभी अंगो को परमेश्वर ने बनाया है।

टीम की आवश्यकताः

B. पारस्परिक उन्नति के लिए हमने बलिदान करना सीखा है, यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने इस बात को समझ था जब उसके अनुयायी में से कुछ, सेवा में, यीशु की प्रसिद्धी से (अपसेट) हताश हो गए थे। यूहन्ना 3:30 वो यह कहता है "अवश्य है कि वो बढ़े और मै घंटू। भलाई के लिए, बलिदान की सामर्थ का, यह क्या ही एक अदभुत परिचय है। हम इसको अगुवों के नाते प्रयोगात्मक रूप से प्रयोग कर मान्यता दे सकते है यदि, जब परमेश्वर किसी और सेवा को प्रयोग कर रहा हो अपनी महिमा के लिए और बलिदान का इच्छुक हो कि यह कार्य लोगों के जीवनों को स्पर्श करें।

C. ज्यादा से ज्यादा लोग दर्शन को खरीद रहे है अपना समय व धन देकर। जो हमारे पास बहुत कीमती दो स्रोत/साधन है वो हमारा समय और धन है। जब लोग इन दो साधनों की पूँजी लगाते हैं तो आप जानते हैं कि उन्होनें दर्शन को अपना लिया है। एक अमीर शासक (मत्ति 19:16-24), एक शिक्षक (मत्ति 8:18-12), कुछ लोग (लूका 9:57-62) और

बहुत सारे अनमिनत लोग वापस चले गए क्योंकि उनका समय व धन ज्यादा कीमती थे यीशु के दर्शन से।

D. **चर्च ऑफ गॉड यूथ मिनिस्ट्रीज का अन्र्तराष्ट्रीय दर्शन**

क्या हो यदि, पूरे विश्व में फैली (चर्च) कलीसियाए जो जवानों में सेवा करती है, उसी एक उद्देश्य (गोल) के कार्य करे तो? क्या हो यदि हम सब ने मिलकर कार्य किया उस दर्शन के लिए "एक नई पीढ़ी को खड़ा करने के लिए जो पूरी रीति से मसीही पर केन्द्रित हो" एक साधारण तीन भाग वाली व्यूह रचना के द्वारा-पहुंचना, चेला बनाना, पवित्रात्मा से भरना – उन तक पहुँचना जो यीशु को नही जानते, उनको चेला बनाना, फिर उनको पवित्रात्मा से भरते हुए कि वो परमेश्वर द्वारा सामर्थी तरीको से प्रयोग किए जाए, क्या हो, यदि हम सभी, पूरे संसार में एक पृष्ठ पर हो, एक दर्शन की आरे कार्य करते हुए "एक नई पीढ़ी को खड़ा करने के लिए जिसका केन्द्र बिन्दु यीशु मसीह हो", यीशु के प्रेम और आशा को बांटने के लिए।

एक अगुवे के तौर पर आप का दर्शन जो भी हो, स्थानीय हो, राष्ट्रीय हो या अन्र्तराष्ट्रीय हो, हम आपको चुनौती देते है कि आप लोगों में निवेश करे पूंजी लगाए उनसे बांटने व मदद करने में, उसको पूरा करने के लिए जिसको परमेश्वर ने आपके सामने रखा हुआ है।

भाग 4

<u>निष्कर्ष</u>

1 मिनट

एक बेसबॉल और फुटबॉल में, हम उन खिलाड़ीयों की सराहना करते व उत्साहित करते हैं जिनमें योग्यता/प्रतिभा है और उनकी प्रतिभा टीम को ज्यादा से ज्यादा, जीतने के लिए योग्दान देती है। प्रतिमा के दृष्टान्त में यीशु ने लोगों को आज्ञा दिया कौन वो लेता है जिसे परमेश्वर ने उसे दिया है और उसको सर्वश्रेष्ठ तरीके से इस्तेमाल करता है, परमेश्वर की महीमा के लिए। जो कुछ प्रतिमा हो, चाहें व दर्शन जिसे परमेश्वर ने आपको दिया है, परमेश्वर के राज्य के लिए उसका प्रयोग करें, अपने लिए नही, और आप भी यह सुनेगे "बहुत बढ़िया, अच्छे और विश्वास योग्य दास।

भाग 5

नेतृत्व

पुन: दृष्टि डालने के समय

HALF DAY FULL DAY

3 मिनट

प्रशिक्षण पर पुन: मनन,

दो या तीन बाते बताये जिनको याद रखना है

यदि आप के पास समय है, तो अपने विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने का समय दें, यदि उनके पास कोई प्रश्न है। प्रार्थना से समाप्त करें।

बेसबॉल चित्र

गलतियो 5:13

लूका 5:1-11

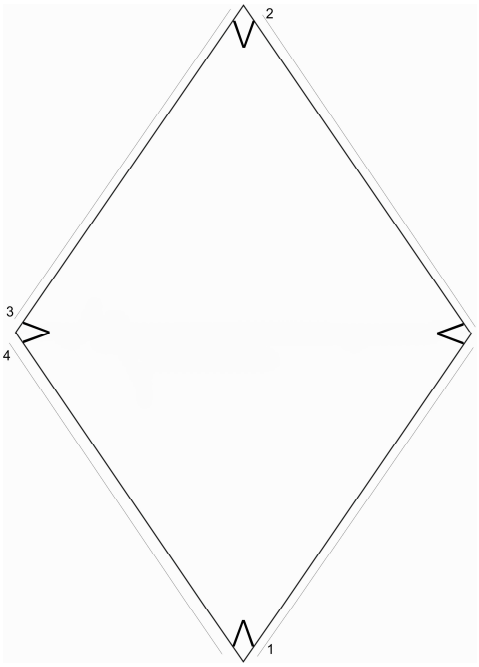

1 पतरस 5:2

1 कुरिन्थियुस 12

छात्रों के लिए

फुटबाल चित्र

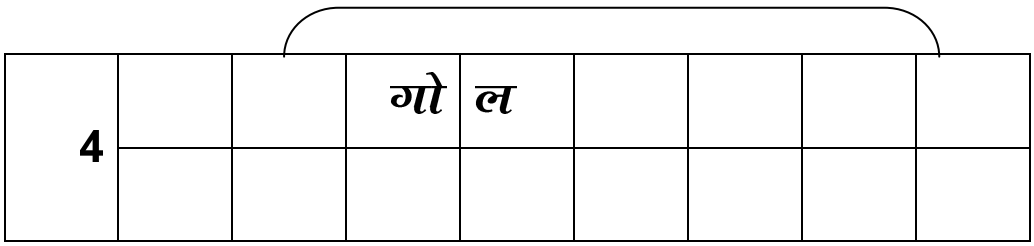

3 अग्रपंक्ति : तीसरा स्तर

2 मध्य क्षेत्र रक्षक : दूसरा स्तर

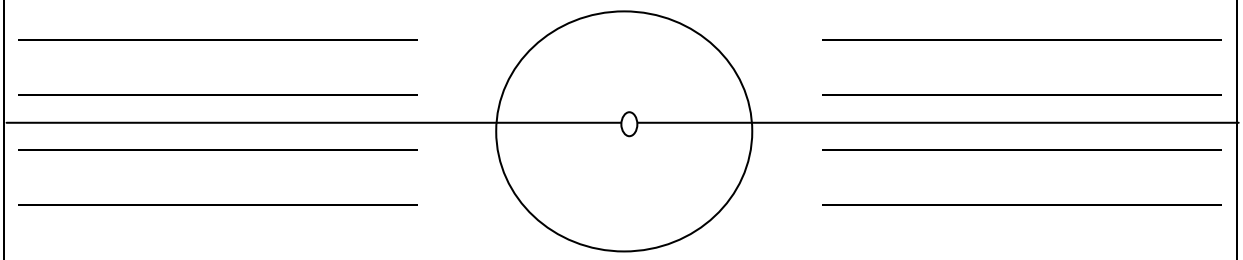

1 बचाव करने वाले : प्रथम स्तर

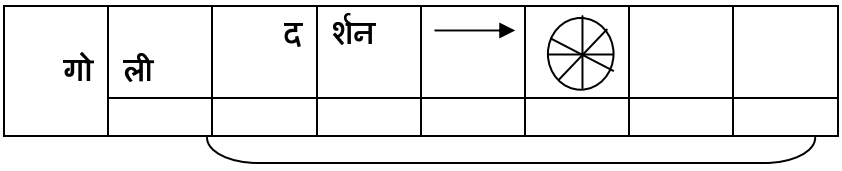

छात्रों के लिए